विकास के लिए नवाचार व शोध जरूरी : डीजीपी

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

■ पांचवें देहरादून इंटरनेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल का समापन

वीर माधव सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव सम्पन्न हो गया। समापन समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

शनिवार को समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कहा कि समाज को वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाला समाज बनाने के लिए स्कूली जीवन से ही छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किया जाना चाहिए। इस दिशा में देहरादून अंतरराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महोत्सव एक मील का पत्थर साबित हुआ। आज देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी आदि के क्षेत्र में सिरमौर है। इस विकास को आगे की ओर ले के लिए हमें नवाचार और शोध के साथ ही स्किल आधारित शिक्षा पर विशेष जोर देना होगा।

महोत्सव के आयोजन में यूकॉस्ट, ओएनजीसी, टीएचडीसी, यूजेवीएनएल, जेएसडब्ल्यू, यूसर्क, भारत सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा बॉयोटेक्नॉलोजी मंत्रालय ने सहयोग दिया। समारोह में शिक्षकों को टीचर ऑफ द ईयर, प्रिंसिपल ऑफ द ईयर, एक्सीलेंस इन रिसर्च ऑफ द ईयर और वाइस चांसलर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इस महोत्सव में साइंस पोस्टर, स्पेस साइंस क्विज, मैजिक ऑफ मैथ, एयरो मॉडलिंग, रोबोटिक्स, सर्किट बोर्ड डिजाइनिंग, मॉडल राकेटरी, ड्रोन वर्कशॉप, ग्रीन एनर्जी कॉन्क्लेव 35 इवेंट्स का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षक।

महोत्सव में 15,000 से अधिक छात्रों, अध्यापकों और विज्ञान प्रेमियों ने प्रदर्शनी में भाग लिया। समापन के अवसर पर कुलपति उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. ओंकार सिंह, यूकोस्ट के महानिदेशक डा. दुर्गेश पंत, आईआईपी के निदेशक डा. हरेंद्र बिष्ट, निदेशक तकनीकी शिक्षा डा. आरपी गुप्ता, संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. एएस उनियाल, यूसर्क की निदेशक डा. अनीता रावत, डा. अमित अग्रवाल, डा. नवीन सिंघल, डा. सौरभ मिश्रा, डा. सत्येंद्र सिंह, डा. मनोज पंड्या समेत कई शैक्षणिक संस्थाओं के निदेशक और आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे।